दैनिक

न्याय साक्षी

अधिकार से न्याय तक

आवश्यक सूचना

आप सभी को सूचित करते हर्ष हो रहा है, कि न्यायसाक्षी अधिकार से न्याय तक का सर्वे का कार्य तेजी से चल रहा है, जल्द ही सर्वे की टीम आपके घर विजिट करेगी, कृपया अपनी प्रति सुरक्षित कराएं।

RNI NO - CHHHIN/2018/76480 ‖ Postal Registration No-055/Raigarh DN CG ‖ रायगढ़, रविवार 19 दिसंबर 2021 ‖ पृष्ठ-4, मूल्य 3 रूपए ‖ वर्ष-04, अंक- 82

महत्वपूर्ण एवं खास

बीएसएफ ने पंजाब में पाकिस्तान के साथ लगती सीमा के पास ड्रोन को मार गिराया

नईदिल्ली (आरएनएस)। सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने पंजाब में भारत एवं पाकिस्तान की सीमा के पास एक ड्रोन को मार गिराया। बीएसएफ ने शनिवार को यह जानकारी दी। फिरोजपुर सेक्टर में वान सीमा चौकी के पास चीन निर्मित ड्रोन को शुक्रवार रात करीब 11 बजकर 10 मिनट पर मार गिराया गया। बल ने एक बयान में बताया कि अंतरराष्ट्रीय सीमा से लगभग 300 मीटर और सीमा बाड़ से 150 मीटर की दूरी पर काले रंग की उड़ने वाली वस्तु को मार गिराया गया।

भारत के सुरक्षा परिदृश्य में बहुआयामी खतरे शामिल हैं: वायुसेना प्रमुख

हैदराबाद (आरएनएस)। एयर चीफ मार्शल विवेक राम चौधरी ने शनिवार को कहा कि युद्ध की प्रकृति में मूलभूत परिवर्तन हो रहे हैं और भारत के सुरक्षा परिदृश्य में बहुआयामी खतरे एवं चुनौतियां शामिल हैं चौधरी ने यहां के पास डुंडीगल में वायु सेना अकादमी में संयुक्त स्नातक परेड को संबोधित करते हुए कहा कि वायु सेना राफेल विमान, अपाचे हेलीकॉप्टर और व्यापक अत्याधुनिक प्रणालियों को शामिल करके एक अत्यधिक शक्तिशाली वायु सेना में बदल रही है। उन्होंने कहा, ''युद्ध की प्रकृति में मूलभूत बदलाव आ रहे हैं। पिछले कुछ वर्षों में नई प्रौद्योगिकी और मौलिक रूप से नए सिद्धांत सामने आए हैं। भारत के सुरक्षा परिदृश्य में बहुआयामी खतरे और चुनौतियां शामिल हैं। इनसे निपटने के लिए हमें कई क्षेत्रों में क्षमताओं की आवश्यकता होगी और हमें हमारे सभी अभियानों को एक साथ और कम समय में पूरा करना होगा।'' चौधरी ने तमिलनाडु में एक हेलीकॉप्टर हादसे में भारत के पहले प्रमुख रक्षा अध्यक्ष जनरल बिपिन रावत, उनकी पत्नी और सशस्त्र बल के 12 अन्य अधिकारियों के असमय निधन पर शोक जताते हुए कहा कि इस दुर्घटना के मद्देनजर परेड के दौरान कई कार्यक्रमों को आयोजित नहीं करने का फैसला किया गया।

तेलंगाना में सड़क हादसे में छह की मौत, चार घायल

हैदराबाद (आरएनएस)। तेलंगाना के कामरेड्डी जिला में जगन्नतपल्ली के पास राष्ट्रीय राजमार्ग पर एक कार के स्टेशनरी की लॉरी से टकरा जाने से छह लोगों की मौत हो गयी तथा चार अन्य लोग घायल हो गए। इस हादसे में सभी छह लोगों की मौके पर ही मौत हो गयी। वहीं घायलों को उपचार के लिए बनसवाड़ा के अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने बताया कि सभी पीड़ित हैदराबाद के निवासी थे। मृतकों में दो बच्चे और दो महिलाएं भी शामिल हैं।

डंपर की चपेट में आने से तीन लोगों की मौत

रायसेन (आरएनएस)। मध्यप्रदेश के रायसेन जिले में आज एक डंपर की चपेट में आये बाइक सवार तीन लोगों की घटनास्थल पर ही मौत हो गयी। पुलिस सूत्रों के अनुसार बरेली तहसील के ग्राम खरगोन में एक डंपर की चपेट में आए बाइक सवार तीन लोगों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई है। मृतकों में एक व्यक्ति, एक महिला व एक बच्ची शामिल है। मृतक व्यक्ति अपनी बहू को खरगोन बस स्टैंड छोड़ने जा रहा था। उसी दौरान विपरीत दिशा से आ रहे डम्फर ने उन्हें टक्कर मार दी। यह सभी खरगोन के नजदीक ग्राम सेनकुआ निवासी थे। मृतकों की अभी पहचान नहीं हो सकी है। इस घटना की खबर लगते ही घटनास्थल पर एसडीएम प्रमोद गुर्जर, एसडीओपी राजीव जांगले, थाना प्रभारी अमरेश बोहरे पहुंच गए हैं। शव को पोस्टमार्टम के लिए बरेली सिविल अस्पताल भेजा गया है।

सुप्रीम कोर्ट के रिटायर्ड जज नानावती का निधन

नई दिल्ली (आरएनएस)। सुप्रीम कोर्ट के पूर्व जज गिरीश ठाकुरलाल नानावती का शनिवार को निधन हो गया। वह 86 वर्ष के थे। उन्होंने 1984 के सिख विरोधी और 2002 के गोधरा दंगों की जांच की थी। उनके परिवार के सदस्यों ने बताया कि उनका गुजरात में शनिवार दोपहर एक बजकर 15 मिनट पर हृदय गति रुकने से निधन हो गया।

पीएम मोदी ने किया गंगा एक्सप्रेस-वे का शिलान्यास

» कहा-आज यूपी के पैसे से हो रहा है विकास

शाहजहांपुर (आरएनएस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने यूपी शाहजहांपुर में गंगा एक्सप्रेस-वे का शिलान्यास किया. पीएम मोदी ने शिलान्यास के बाद कहा कि कल ही पंडित राम प्रसाद बिस्मिल, अशफाक उल्लाह खान, ठाकुर रौशन सिंह का बलिदान दिवस है. अंग्रेजी सत्ता को चुनौती देने वाले शाहजहांपुर के इन तीनों सपूतों को 19 दिसंबर को फांसी दी गई थी. भारत की आजादी के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर कर देने वाले ऐसे वीरों का हम पर बहुत बड़ा कर्ज है.

पीएम मोदी ने कहा कि मां गंगा सारे मंगलों की, सारी उन्नति प्रगति की स्रोत हैं. मां गंगा सारे सुख देती हैं, और सारी पीड़ा हर लेती हैं. ऐसे ही गंगा एक्सप्रेसवे भी यूपी की प्रगति के नए द्वार खोलेगा. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि ये जो आज यूपी में एक्सप्रेसवे का जाल बिछ रहा है, जो नए एयरपोर्ट बनाए जा रहे हैं, नए रेलवे रूट बन रहे

हैं, वो यूपी के लोगों के लिए अनेक वरदान एक साथ लेकर आ रहे हैं.

पीएम मोदी ने कहा कि यूपी में आज जो आधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर का निर्माण हो रहा है वो ये दिखाता है कि संसाधनों का सही उपयोग कैसे किया जाता है. पहले जनता के पैसे का क्या-क्या इस्तेमाल हुआ है ये आप लोगों ने भली-भांति देखा है. लेकिन आज उत्तर प्रदेश के पैसे को उत्तर प्रदेश के विकास में लगाया जा रहा है. प्रधानमंत्री ने कहा कि जब पूरा यूपी एक साथ बढ़ता है तो देश आगे बढ़ता है. इसलिए डबल इंजन की सरकार का फोकस यूपी के विकास पर है. सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास के मंत्र के साथ हम यूपी के विकास के लिए ईमानदारी से प्रयास कर रहे हैं.

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि आप याद करिए पांच साल पहले का हाल था. राज्य के कुछ इलाकों को छोड़ दें तो दूसरे शहरों और गांव-देहात में बिजली ढूंढे नहीं मिलती थी. डबल इंजन की सरकार ने ना सिर्फ यूपी में करीब 80 लाख मुफ्त बिजली कनेक्शन दिए, बल्कि हर जिले को पहले से कई गुना ज्यादा बिजली दी जा रही है.

गंगा एक्सप्रेस-वे उत्तर प्रदेश का सबसे बड़ा एक्सप्रेस-वे है. ये एक्सप्रेस-वे 2024 तक बनकर तैयार हो जाएगा. इससे राज्य के आर्थिक विकास और रोजगार की नई राह खुलेगी. वहीं, इस एक्सप्रेस-वे की कुल लंबाई 594 किलोमीटर होगी और यह गंगा एक्सप्रेस वे देश के सबसे ऊपजाऊ क्षेत्रों से होकर गुजरेगा.

इसका लाभ एनसीआर, हरियाणा, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ समेत कई अन्य राज्यों के लोगों को भी मिलने वाला है. बता दें कि यह एक्सप्रेसवे उत्तर प्रदेश के 12 जिलों से होकर गुजरेगा, इसलिए इन इलाकों के किसानों, उद्यमियों और आम लोगों को काफी फायदा होगा.

गंगा एक्सप्रेस वे आधे से ज्यादा पश्चिमी यूपी के मेरठ, हापुड़, बुलंदशहर, अमरोहा, संभल, बदायूं और शाहजहांपुर जिले से गुजरेगा. फिलहाल हापुड़ और बुलंदशहर सहित अन्य जिलों के लोगों के आवागमन के लिए गढ़मुक्तेश्वर में एक अन्य पुल बनाया जाएगा. वहीं, शाहजहांपुर के आगे यह एक्सप्रेसवे हरदोई, उन्नाव, रायबरेली, प्रतापगढ़ व प्रयागराज तक जाएगा. एक्सप्रेसवे के लिए अब 94 प्रतिशत जमीन खरीदी प्रक्रिया की जा चुकी है. गंगा एक्सप्रेस वे पर आपातकाल में वायु सेना के विमानों की लैंडिंग और टेक ऑफ के लिए शाहजहांपुर जिले में 3.5 किमी की एक हवाई पट्टी भी बनेगी.

रक्षा मंत्री ने राष्ट्रीय रक्षा संपदा प्रबंधन संस्थान का उद्घाटन किया

नई दिल्ली (आरएनएस)। भारत सरकार की क्षमता निर्माण पहल के तहत राष्ट्रीय रक्षा संपदा प्रबंधन संस्थान जो प्रमुख केंद्रीय प्रशिक्षण संस्थानों में से एक है ने भूमि सर्वेक्षण में उत्कृष्टता केंद्र की स्थापना की है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने 16 दिसंबर 2021 को इसका उद्घाटन किया।

रक्षा संपदा संगठन अपने कार्यक्षेत्र में विशेषज्ञता के तहत लगातार भूमि सर्वेक्षण करता है और इस तरह की गतिविधियों से इस क्षेत्र में विशेषज्ञता विकसित करता है। सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (उत्कृष्टता केंद्र) सरकारी अधिकारियों और तकनीकी कर्मियों की प्रशिक्षण आवश्यकताओं को पूरा करेगा जो विशेष रूप से ड्रोन और सैटेलाइट इमेजरी आधारित सर्वेक्षण जैसी उभरती तकनीकों में शामिल हैं। आजकल डिजिटल फोटोग्राममेट्रिक तकनीक, हाई रिज़ॉल्यूशन सैटेलाइट इमेजरी, हवाई और स्थलीय लेजर स्कैनर उपकरणों पर आधारित रीयल टाइम मॉनिटरिंग सिस्टम ज्यामितीय सर्वेक्षण और मॉडलिंग के लिए शक्तिशाली साधनों को तैयार कर सकते हैं। सेंटर ऑफ एक्सीलेंस सर्वे इन नई तकनीकों पर ध्यान केंद्रित कर रहा है। इस संबंध में जो उन्नत विशेषज्ञता है उसे केंद्रीय और राज्य सरकार के विभागों के साथ साझा किया जाएगा, जिसमें स्वायत्त निकाय शामिल हैं, जो उत्कृष्टता केंद्र में आयोजित होने वाले मौलिक और विशेष पाठ्यक्रमों के लिए प्रतिभागियों को प्रायोजित करने के इच्छुक हैं।

भारत ने ओडिशा तट पर 'अग्नि प्राइम' मिसाइल का किया सफल परीक्षण

नईदिल्ली (आरएनएस)। रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (डीआरडीओ) ने 18 दिसंबर, 2021 को 1106 बजे ओडिशा के तट पर डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम द्वीप से नई पीढ़ी की परमाणु सक्षम बैलिस्टिक मिसाइल अग्नि पी का सफलतापूर्वक परीक्षण किया। विभिन्न टेलीमेट्री, रडार, इलेक्ट्रो-ऑप्टिकल स्टेशन और पूर्वी तट के साथ स्थित डाउन रेंज जहाजों ने मिसाइल ट्रेजेक्टरी और मानकों को ट्रैक किया तथा उनकी निगरानी की। इस मिसाइल ने उच्च स्तर की सटीकता के साथ सभी मिशन उद्देश्यों को पूरा करते हुए अपने लक्ष्य का अनुसरण किया। अग्नि पी डुअल रिडनडेंट नेविगेशन तथा मार्गदर्शन प्रणाली के साथ एक दो चरणों वाली केनिस्ट्राइज्ड सॉलिड प्रोपेलेंट बैलिस्टिक मिसाइल है। इस दूसरे उड़ान परीक्षण ने प्रणाली में एकीकृत सभी उन्नत प्रौद्योगिकियों के भरोसेमंद प्रदर्शन को साबित किया है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सफल उड़ान परीक्षण के लिए डीआरडीओ को बधाई दी और प्रणाली के उत्कृष्ट प्रदर्शन पर प्रसन्नता व्यक्त की। रक्षा अनुसंधान एवं विकास विभाग के सचिव और डीआरडीओ के अध्यक्ष डॉ. जी सतीश रेड्डी ने कई अतिरिक्त विशेषताओं के साथ दूसरी विकास उड़ान परीक्षण करने के लिए टीम के प्रयासों की सराहना की तथा एक ही कैलेंडर वर्ष के भीतर लगातार सफलता के लिए बधाई दी।

एनसीसी और एनएचएआई ने प्लास्टिक अपशिष्ट के पुनः उपयोग के लिए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए

नई दिल्ली (आरएनएस)। राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) और भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) ने पूरे देश में एनएचएआई द्वारा सड़कों के निर्माण के लिए पुनीत सागर अभियान और अन्य स्वच्छता कार्यकलापोंके दौरान एनसीसी कैडेटों द्वारा एकत्रितकिए गए प्लास्टिक अपशिष्टोंका फिर सेउपयोग करने के लिए एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए। पर्यावरण सुरक्षा के लिए अनुकूल परिस्थितियों को बढ़ावा देने और उनका सृजन करने के लिए, एनसीसी ने एक राष्ट्रव्यापी अभियान पुनीत सागर अभियान आरंभकिया है, जो समुद्र के किनारे से प्लास्टिक और अन्य अपशिष्टोंसे समुद्र तटों को साफ करता है और समुद्र तटों को प्लास्टिक अपशिष्टसे मुक्त रखने के महत्व के बारे में जागरूकता बढ़ाता है।

अभियान का उद्देश्य स्थानीय आबादी और आने वाली पीढ़ियों के बीच स्वच्छ समुद्र तटों के महत्व के संदेश का प्रचार करना है। महीने भर चलने वालेकार्यकलाप में 127 तटीय क्षेत्र एनसीसी यूनिटके कुल 3,40,000 कैडेट भाग ले रहे हैं। अब तक, विभिन्न स्थानों पर एनसीसी कैडेटों ने इन क्षेत्रों से लगभग छह टन प्लास्टिक अपशिष्ट एकत्रित किया है।

एकत्रितकिए गए प्लास्टिक अपशिष्टको एनएचएआई केसुपुर्दकिए जाने की योजना है जिसका उपयोग वेसड़क निर्माण में कर सकते हैं। एनसीसी और एनएचएआई के बीच समझौता ज्ञापन पर 17 दिसंबर 2021 को एनसीसी के महानिदेशक लेफ्टिनेंट जनरल गुरबीरपाल सिंह और एनएचएआई के मुख्य महाप्रबंधकसुशील कुमार मिश्रा द्वारा हस्ताक्षर और आदान-प्रदान किया गया है।

राष्ट्रीय कैडेट कोर ने एकत्रितकिए गए प्लास्टिक अपशिष्टके पुनर्चक्रण और लाभकारी उपयोग में उनके सहयोग के लिए आईआईटीऔर एनआईआईटीसे भी संपर्क किया है।

ऊर्जा मंत्री ने राज्यों के साथ समीक्षा, योजना निर्माण और निगरानी बैठक की अध्यक्षता की

नई दिल्ली (आरएनएस)। केन्द्रीय विद्युत एवं नवीन और तथा नवीकरणीय(एनआरई) मंत्री आर. के. सिंह ने 17 दिसम्बर, 2021 को यहां राज्यों तथा केन्द्रशासित प्रदेशों के विद्युत/ऊर्जा विभागों के अपर मुख्य सचिवों और प्रधान सचिवों तथा विद्युत क्षेत्र सीपीएसयू के सीएमडी/एमडी के साथ समीक्षा, योजना निर्माण तथा निगरानी बैठक की अध्यक्षता की। विद्युत सचिव, एमएनआरई सचिव तथा दोनों मंत्रालयों के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक में विद्युत राज्य मंत्री कृष्णपाल गुर्जर तथा एमएमआरई राज्य मंत्री भगवंत खुबा भी उपस्थित थे। आर. के. सिंह ने अपने उद्घाटन संबोधन में रेखांकित किया कि वर्तमान सरकार ने विद्युत क्षेत्र को व्यापक रूप से आगे बढ़ाया है। देश विद्युत के मामले में अधिशेष हो गया है; हमने पूरे देश को एक ग्रिड से जोड़ दिया है और वितरण प्रणाली को सुदृढ़ बनाया है। इन कदमों ने ग्रामीण क्षेत्रों में 22 घंटे तथा शहरी क्षेत्रों में 23.5 घंटे विद्युत की उपलब्धता बढ़ा दी है। अगला कदम इसे किफायती मूल्य पर 24ङ्क7 घंटे की निर्बाधित विद्युत आपूर्ति तक ले जाना है।

उन्होंने कहा कि विद्युत की उपलब्धता भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए मूलभूत है और हमारा उद्देश्य इस देश के नागरिकों के लिए विश्वस्तरीय सेवाएं तथा सुविधाएं उपलब्ध कराना है। मंत्री ने क्षेत्र के विकास को आगे बढ़ाते हुए आने वाली पीढ़ियों के लिए पर्यावरण की सुरक्षा के लिए और अधिक हरित ऊर्जा की दिशा में ऊर्जा रूपातंरण पर भी जोर दिया। विशेष रूप से किसानों के लिए अतिरिक्त आमदनी तथा सस्ती बिजली के रुप में पीएम कुसुम स्कीम के बहुगुणित लाभों पर भी जोर दिया गया। राज्य सरकारें सब्सिडी के कम बोझ के रूप में लाभ अर्जित करेंगी। स्वच्छ एवं हरित ऊर्जा उत्पादन के रुप में पर्यावरण को भी इससे लाभ पहुचेगा। बैठक में कार्यान्वयन तथा सामने आने वाली समस्याओं की राज्यवार स्थिति पर विस्तार से चर्चा की गई। पर्यावरण अनुकूल तरीके से पर्याप्त बिजली आपूर्ति की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए नवीकरणीय ऊर्जा पर बल दिया गया।

जेनको के बढ़ते बकाये के मामले पर भी विचार किया गया और सुझाव दिया गया कि समुचित मीटरिंग, बिलिंग तथा ऊर्जा लेखांकन के जरिए डिस्कॉम को तत्काल घाटे में कमी लाने से संबंधित कदम उठाए जाने चाहिए। संबंधित राज्य सरकारों द्वारा घोषित सब्सिडियों का समुचित लेखांकन तथा डिस्कॉम को भुगतान भी सुनिश्चित किए जाने की आवश्यकता है। इसके अतिरिक्त, इस पर जोर दिया गया कि उपभोक्ताओं को 24ङ्क7 निर्बाधित बिजली आपूर्ति कराने के लिए, प्रचालनगत रूप से प्रभावी तथा वित्तीय रूप से व्यवहार्य बिजली वितरण क्षेत्र आवश्यक है।

नवी मुंबई में एक स्कूल के 16 छात्र कोरोना वायरस से संक्रमित

» 9 दिसंबर को कतर से लौटा था एक छात्र का पिता

ठाणे (आरएनएस)। नवी मुंबई में घनसोली के एक स्कूल के 16 छात्र कोरोना वायरस से संक्रमित पाए गए हैं और उन्हें स्थानीय कोविड देखभाल केन्द्र में भर्ती कराया गया है। नवी मुंबई नगर निगम के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि ये आठवीं से 11वीं कक्षा तक के छात्र हैं। उन्होंने कहा, 'इनमें से एक छात्र के पिता 9 दिसंबर को कतर से लौटे थे। वह घनसोली के गोथीवली में परिवार के साथ रहते हैं और उनकी कोविड-19 जांच नेगेटिव आई थी, लेकिन जब उनके परिजन की जांच की गयी तो स्कूल में कक्षा 11 में पढ़ने वाला उनका बेटा संक्रमित पाया गया। अधिकारी ने बताया कि इसके बाद शेतकरी शिक्षण संस्था के सभी छात्रों की जांच की गयी और अब तक 16 छात्रों के संक्रमित होने की पुष्टि हुई है। उन्होंने कहा, 'पिछले तीन दिन में अब तक स्कूल के 811 छात्रों की जांच की गयी और शनिवार को 600 छात्रों की जांच की जाएगी। ये छात्र वाशी में कोविड देखभाल केन्द्र में भर्ती हैं।

वंदे भारत-नृत्य उत्सव का ग्रैंड फिनाले आज दिल्ली में आयोजित किया जाएगा

नई दिल्ली (आरएनएस)। अखिल भारतीय वंदे भारत, नृत्य उत्सव का ग्रैंड फिनाले 19 दिसंबर को दिल्ली के जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम सभागार में आयोजित किया जाएगा। 4 जोन के 949 नृत्य कलाकारों के साथ 73 समूहों ने फाइनल प्रतियोगिता में जगह बनाई है। फाइनल में नृत्य कलाकार शीर्ष सम्मान के लिए स्पर्धा करेंगे और इन विजेताओं को जीवन में एक बार मिलने वाले अवसर के रूप में गणतंत्र दिवस परेड में अपनी प्रतिभा को दिखाने का मौका मिलेगा जिसे न केवल भारत में बल्कि दुनियाभर में देखा जाता है।

ग्रैंड फिनाले में संस्कृति और विदेश राज्य मंत्री श्रीमती मीनाक्षी लेखी, रक्षा

और पर्यटन राज्य मंत्री अजय भट्ट, प्रसिद्ध अभिनेत्री-गायिका-नृत्यांगना इला अरुण, शोभना नारायण, शिबानी कश्यप और सोनल मानसिंह के साथ-साथ कला और संस्कृति के क्षेत्र की कई अन्य हस्तियां मौजूद रहेंगी। रानी खानम और उनकी टीम वंदे भारतम् नामक विशेष रूप से कोरियोग्राफ की गई प्रस्तुति पेश करेगी और दिग्गज नृत्यांगना तनुशंकर व उनकी मंडली उस दिन स्टार परफॉर्मर होगी।

वंदे भारतम् रक्षा मंत्रालय और संस्कृति मंत्रालय की एक अनूठी पहल है, जिसका आयोजन भारत की आजादी के 75 साल के उपलक्ष्य में आजादी का अमृत महोत्सव के हिस्से के रूप में किया जा रहा है। इस प्रतियोगिता का मुख्य उद्देश्य देशभर से शीर्ष नृत्य प्रतिभाओं का चयन करना और गणतंत्र दिवस परेड 2022 के दौरान उन्हें अपना प्रदर्शन दिखाने का अवसर प्रदान करना है। क्षेत्रीय स्तर की प्रतियोगिता के लिए 200 से अधिक टीमों से 2400 से अधिक प्रतिभागियों को चुना गया था। क्षेत्रीय स्तर पर फाइनल प्रतियोगिता कोलकाता, मुंबई, बेंगलुरु और दिल्ली में 9 से 12 दिसंबर तक आयोजित हुई, जहां 104 समूहों ने एक सम्मानित जूरी और प्रशंसकों के सामने अपने नृत्य कौशल का प्रदर्शन किया। इस दौरान समूहों ने शास्त्रीय, लोक, आदिवासी और फ्यूजन जैसी विभिन्न नृत्य श्रेणियों में विशेष रूप से कोरियोग्राफ की गई नृत्य प्रस्तुति पेश की। ऐसे में पूरे भारत की प्रतिभाओं का शानदार प्रदर्शन देखने को मिला। विभिन्न श्रेणियों में समाज के सभी वर्गों की उत्साहपूर्वक भागीदारी रही।

सभी 4 जोन के इन 104 समूहों में से 949 नर्तकों के साथ 73 समूहों ने ग्रैंड फिनाले में जगह बनाई है, जो 19 दिसंबर को दिल्ली के जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम सभागार में आयोजित किया जाएगा। यहां नृत्य कलाकार शीर्ष सम्मान के साथ-साथ गणतंत्र दिवस परेड में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करने का मौका पाने के लिए स्पर्धा करेंगे, यह मौका जीवन में बार-बार नहीं मिलता है। परेड समारोह को न केवल भारत में बल्कि दुनियाभर में देखा जाता है।

ग्रैंड फिनाले के शीर्ष 480 नृत्य कलाकारों को विजेता घोषित किया जाएगा और उन्हें 26 जनवरी 2022 को राजपथ, नई दिल्ली में होने वाली गणतंत्र दिवस परेड में प्रस्तुति देने का सुनहरा अवसर मिलेगा।

वंदे भारतम् प्रतियोगिता 17 नवंबर को जिले स्तर पर शुरू हुई थी और इसमें 323 समूहों में 3,870 से अधिक प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। जिले स्तर पर चुने गए प्रतिभागियों ने 30 नवंबर, 2021 से राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में भाग लिया। 4 दिसंबर 2021 तक, इन 5 दिनों की अवधि में राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के लिए 20 से अधिक वर्चुअल कार्यक्रम आयोजित किए गए।

राज्य स्तर के लिए 300 से अधिक समूहों का चयन किया गया, जिसमें 3,000 से अधिक नृत्य कलाकार/प्रतिभागी शामिल थे।